B.Ed. 2nd Year
Session – 2018-2020
Subject – School Mangagement and Leadership
Course – 11(E) /Unit – 1(a)
Topic – **विद्यालय प्रबंध एवं संगठन**
(School Management and Organisation)

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
Samastipur

Lecture No. - 77

विद्यालय-प्रबंध
(School Management)

शिक्षा में प्रबंध की अवधारणा व्यवसाय तथा उद्योग से ली गई है। प्रबंध मुख्य रूप से विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए दूसरों के प्रयत्नों को नियोजित , समन्वित, प्रेरित तथा नियंत्रित करने का कार्य है। अर्थात्त प्रबंध से तात्पर्य उन क्रियाओं से है जो संगठित , व्यवस्थित तथा क्रमबद्ध है एवं जिनके द्वारा भौतिक तथा मानवीय संसाधनों का उचित नियोजन, संगठन, निर्देशन, समन्वय एवं नियंत्रण इस प्रकार हो कि निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति सर्वोत्तम रूप से हो सके।

स्कूल प्रबंध से हमारा अभिप्राय केवल दफ्तर मे काम , अनुशासन को ठीक रखना, शिक्षकों को आदेश देन, बालकों को नियंत्रण में रखना, पत्राचार करना आदि से होता है।

स्कूल-संगठन
(School Organisation)

स्कूल संगठन में केवल स्कूल-प्रबंध ही नहीं बल्कि उनके आदर्श, उनका स्तर, उनकी नीति, उनकी कार्यवाही, उनका समाज से संबंध, उनकी सार्थकता भी समाहित होती है।

जे० बी० स्पीयर्स के अनुसार, "संगठन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम विभिन्न स्वतंत्र तत्वों का चयन एवं उनकी व्यवस्था इस प्रकार करते हैं कि वे एक रूप होकर तर्कपूर्ण रीति से कार्यशील हो सकें। उनका संबंध मूख्यतः ऐसी व्यवस्था से है जिससे संपूर्ण शैक्षिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।"

इनसाईक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशनल रिसर्च के अनुसार, "संगठन उन प्रवृत्तियों से संबंधित है जिनके द्वारा वांछित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किसी ढाँचे का निर्माण किया जाता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि इस प्रकार स्कूल -संगठन का अर्थ स्कूल-प्रबंध से कहीं अधिक व्यापक है। संगठन-कार्य में दूरदर्शिता, उच्च-स्तरीय ज्ञान एवं अनुभव की आवश्यकता होती है। शैक्षिक-संगठन राष्ट्र, राज्य तथा विद्यालय के स्तर पर किया जाता है। शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इसका सुचारू रूप से परस्पर समायोजित होना आवश्यक है।